प्यारी बात माँ के साथ

Round – 3

आगम से आतम की ओर ..

छह अक्षर का मेरा नाम जड़ से निर्मित होकर भी मेरे अंदर रहता भगवान बतलाओं तुम मेरा नाम बोलो बोलो क्या....

सीमंधर के पास गए जो आतम अनुभव शास्त्र रचे जोपंचम युग के देव कहाएँ हम सब उनका नाम बताएँ

बोलो बोलो क्या....

एक अक्षर का मेरा नाम मैं हूँ पंच प्रभु का धामसब जन करते मेरा ध्यान पूरे जिनागम का है सार

बोलो बोलो क्या....

जिसको तीजा नैन कहा है सत्य सत्य बतलाती है द्वादश अंगों से सजी हुई केवलीकन्या कहलाती है

बोलो बोलो क्या....

चार शतक अरु पंद्रह मोती हार पिरोया जगमग ज्योतिजड़ से बनी पोटिका भारी जो है चेतन की उजयारी

बोलो बोलो क्या....

चार अक्षर का मेरा नाम चार गए चार रहे सारे जग का ग्राही हूँ फिर भी निज का रही हूँ

बोलो बोलो क्या....

गागर मे सागर लहराता मोक्ष शास्त्र कहलाता है कितने सूत्र कहे है इसमे कौनसी भाषा लिखी है इसमे

बोलो बोलो क्या....

पाँच अक्षर का मेरा नाम मुझको क्या दुनिया से काम मैं रहता हूँ अपने अंदर फिर भी दुनिया मेरे अंदर

बोलो बोलो क्या....

चार अक्षर का मेरा नाम वार रोकने की शक्ति है प्रथम शब्द संख्या मे आता प्रसिद्ध जैन साहित्य कहलाता

बोलो बोलो क्या....

छः अक्षर का मेरा नाम सबको मुक्ति मार्ग बताता कितना सुंदर मेरा काम बतलाओ तुम मेरा नाम बोलो बोलो क्या....